Times of India (Jaipur Times) Page – 05 Date : 03.07.2008

शहर में पिछले तीन साल में बढ़ी डेढ़ गुना मोटापे की समस्या

युवाओं में बढ़ी ओबेसिटी

जयपुर रिपोर्टर
जयपुर 2 जुलाई

हैल्थ अपडेट

बदलती लाइफ स्टाइल, जंक फूड का सेवन और फिजिकली एक्सरसाइज के प्रति युवाओं की नजरअंदाजी मतलब मोटापे का आगमन। शहर में पिछले तीन साल में मोटापे की समस्या डेढ़ गुनी बढ़ गई है। लोगों को कम उम्र में ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हार्ट डिजीज का सामना करना पड़ रहा है। इनमें सबसे ज्यादा संख्या युवाओं की है।

चिकित्सकों का कहना है कि साधारण भोजन में भी कैलोरी की अधिक मात्रा बचपन से ही शरीर को मोटापे की ओर बढ़ा रही है। वर्तमान में विश्व में करीब 30 करोड़ लोग मोटापे से पीड़ित है, जिसमें से एक करोड़ गंभीर मोटापे के शिकार है। जयपुर की कुल आबादी के 20 फीसदी लोग मोटापे से ग्रसित है। यानी दस हजार लोग गंभीर मोटापे के शिकार है। चिकित्सकों के अनुसार करीब 50 फीसदी मोटे लोग 25-45 आयु वर्ग के है।

बचपन होता शिकार

एंडोक्राइनोलोजिस्ट डॉ. शैलेष लोढ़ा कहते हैं कि मोटापा बचपन से लोगों को घेरने लगा है। जिन लोगों में बचपन से मोटापे की समस्या रहती है उन्हें 60 फीसदी केसेज में यह समस्या उम्र के साथ बढ़ती जाती है। मोटापा एक जेनेटिक बीमारी बनती जा रही है। थाइराइड की बीमारी मोटापे को बढ़ा रही है। पीयूष और एड्रेनिल ग्रंथि की बीमारियां भी मोटापे का कारण है।

सर्जरी नया ऑप्शन

डाइट कंट्रोल, लाइफ स्टाइल को मेंटेन करना, एक्सरसाइज, मेडिसन के बाद अब शहर में बेरात्रिक्स सर्जरी भी ओबेसिटी के ट्रीटमेंट के रूप में सामने आई है। हालांकि इसे लेकर अभी लोगों में अवेयरनेस बहुत कम है। गेस्ट्रो सर्जन और कंसल्टेंट डॉ. अजय शर्मा का कहना हैं कि विदेशों और मेट्रो सिटीज में तो यह ट्रीटमेंट शीघ्रता से अपनी पहचान बना रहा है, लेकिन जयपुराइट्स को अभी इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह एक लेप्रोस्कोपिक ऑपरेशन है। जिसका खर्चा जयपुर में करीब 1.50 से 4.50 लाख रुपए तक का आता है। अगर मोटे लोग ये ऑपरेशन करवाते हैं और उन्हें पहले से डायबिटीज हैं तो ऑपरेशन के बाद ये बीमारी हमेशा के लिए खत्म हो जाती है।